21 डी-मेट अकाउण्ट
Demat Account

शेयरों, म्युचुअलफंड, बाण्ड आदि के कागजों के प्रमाण पत्र को इलेक्ट्रानिक रूप में बदलकर Demat Account में क्रेडिट करने को डीमटेरियालाईजेशन (Dematerialisation) कहतें है।

- ☞ डी–मेट एकाउण्ट, बैंक एकाउण्ट की तरह होता है, परंतु इसमें रूपयों के स्थान पर शेयरों, म्युचुअलफंड, बाण्ड आदि के लेन देन का काम किया जाता है।
- ☞ Demat Account कुछ बैंकों – जैसे SBI, ICICI, HDFC, IDBI या Stock Holding Corporation of India आदि डिपाजिटरी पार्टिसिपेंट (Depository Participant (D.P.) के यहां खोले जातें हैं।
- ☞ शेयरों की बिक्री हेतु Demat Account होना अनिवार्य है। एवं अधिकांश शेयरों की खरीदी अब Demat Account द्वारा की जाती है।
- ☞ जिन शेयरों को बेचना हो, उसे जिस ब्रोकर के माध्यम से बेचना हो, उसके डी–मेट एकाउण्ट में ट्रांसफर करना होगा। इसके लिए आपको डी–मेट एकाउण्ट के साथ मिली चेक बुक में, आवश्यक प्रविष्टियॉ कर, depository Participant को देना होता है।
- ☞ शेयरों को खरीदी के लिए, ब्रोकर को अपना Demat Account No. देना होता है, तो ब्रोकर शेयर आपके Demat Account में सीधे ट्रांसफर कर देता है।
- ☞ Demat Account के लिए प्रायः मुख्यतः निम्न चार्जेस देने होतें हैं :

  1- A/c Opening Fee 2.Annual Service charge
  1- Transanction Fee (i) Buy (% of Transaction value) (ii) Sale (% of Transaction value)

- ☞ Demat Account खोलते समय, अनुबंध प्रायः 50 रू. के स्टाम्प पेपर पर किया जाता है।
- ☞ Dematerialisation के चार्ज प्रायः 2–3 रू. प्रति सर्टिफिकेट होतें हैं,परंतु कोरियर चार्जेस 25–30 रू. होंने के कारण कुल चार्जेस लगभग 30 रू. होता है।
- ☞ कस्टडी चार्जेस (Custody charges) के रूप में सामान्यतया रू. 0.50 प्रति ISIN (International Security Indentification Number) प्रतिमाह लिया जाता है अर्थात् यदि आपके पास 10 कंपनियों के शेयर हो तो 5 रू. प्रतिमाह की दर से चार्जेस देय होंगे, इसके अलावा भी कई चार्जेस होतें हैं, जो सेवाओं पर आधारित होतें है, अतः एकाउण्ट खोलने के पूर्व चार्जेस के अलावा D.P. द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता, विश्वसनीयता पर भी ध्यान देना जरूरी है।

22 डेबिट कार्ड
Debit Card

डेबिट कार्ड, प्लास्टिक मनी का एक ऐसा माध्यम है, जो सीधे आपके बैंक एकाउण्ट से जुड़ा होता है, तथा बैंकों द्वारा ही जारी किए जातें हैं। ये मुख्यतः दो प्रकार के होतें हैः–

(1) डायरेक्टर (Direct) डेबिट कार्ड : ये ATM Card की तरह खातें से आन लाइन linked रहतें हैं। किसी दुकान में लगे टर्मिनल से इस कार्ड को डालकर पिन इंटर करने से खरीदे गए सामान की राशि, खातें से डेबिट हो जाती है। Master कार्ड के डेबिट कार्ड में "Maestro" Logo लगा होता है। सिटी बैंक द्वारा सुविधा नाम से Debit Card जारी किया जाता है।

(2) डिफर्ड डेबिट कार्ड (Deferred Debit card) : ये क्रेडिट कार्ड की तरह के ही होतें हैं। क्योंकि इनके द्वारा आफ लाईन लेन देन किये जा सकतें हैं। इसमें दुकानदार दुकान में लगे टर्मिनल पर स्कैन कर खातें में डेबिट कर रख लेता है। इसमें पिन इन्टर करने की जरूरत नही होती है। VISA द्वारा जारी डेबिट कार्ड में इलेक्ट्रान Logo लगा होता है। HDFC / ICICI बैंक के भी द्वारा इलेक्ट्रान के नाम से डेबिट कार्ड जारी किया जाता हैं।

1
Wednesday, August 31, 2016 7:53:40 PM